

- (1) பக்கங்களின் எண்ணிக்கை 26
 (2) புதுக்கித் திருப்பிய நாள் 5/90
 (3) ஆதாரங்குறிப்பவர் சுருக்கொப்பம் 10/2

தமிழ்நாடு ஆவணக் காப்பகம்.

தமிழ்நாடு அரசு

(59)

P. W. D. துறை

அரசாணை எண்.	2820	அச்சகம்
மு. கோப்புத் தாள் எண்.		பலவகை
நாள் :	10-10-1889	198 .

மடிக்கவோ கண்டபடி கையாளவோ கூடாது

State mut 66/11

13. Sheets

ஆவண. கா-1-18-006-15-8-87.

[Signature]

G.S

10TH OCTOBER 1889, No. 2820 W., PUBLIC WORKS.

2820

GOVERNMENT OF MADRAS.

PUBLIC WORKS DEPARTMENT.

General.
Establishment.

READ—the following paper :—

From Colonel J. PENNYCUICK, R.E., Superintending Engineer, Periyár Project, to the Chief Engineer, Public Works Department, dated Kodaikáanal, 17th September 1889, No. 1653 P.R.

I have the honor to forward herewith a revised statement of temporary establishment required for the Periyár Project works for the current official year 1889-90, and to request the sanction of Government to the same.

2. The revision of the establishment is chiefly due to the extra officers and subordinates since posted and to the formation of the additional sub-divisions to No. II Periyár division.

[Statement.]

ENCLOSURE.

PERIYAR PROJECT CIRCLE.

[illegible]

10TH OCTOBER 1889, No. 2820 W., PUBLIC WORKS.

3

20	Lascars at Rs. 9 each	180	22	Lascars at Rs. 9 each	198	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	
----	-----------------------	-----	----	-----------------------	-----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	--

(Signed) J. PENNYQUICK, Colonel, R.E.,
Superintending Engineer,
Periyar Project.

17th September 1889.

4

10TH OCTOBER 1889, No. 2820 W., PUBLIC WORKS.

From the Examiner of Public Works Accounts, dated 1st October 1889, No. 1405.

ORDER—dated 10th October 1889, No. 2820 W., Public Works.

The revised statement of temporary establishment required for the Periyár Project during 1889-90 is sanctioned.

2. This sanction has been registered as Provincial No. 39 W. of 1889-90, and classified as Establishment, Temporary.

(True Extract.)

Captain, R.E.,
Under-Secy. to Govt., P.W.D.

To the Superintending Engineer, Periyár Project.
" Examiner, Public Works Accounts.
" Chief Engineer for Irrigation.

Exd. J. Moses.
Spare Copies.

2820

3

GENERAL.
ESTABLISHMENT.

Govt. of {1889} Madras.

PUBLIC WORKS.

Dated October, 10th.

Recd.

Encl.

G.O., 10th Oct. 1889, No. 2820 W.

OCTOBER.

Temporary Establishment

Revised statement of — required for the
Periyár Project during 1889-90, sanctioned,

No. 1653 P.R. Sup: Engrs Office P. Project
Kodaikanal 7th September 1889.

It now,

Col. J. Pennycook Esq
Sup: Engineer, Periyár Project

To,

The Chief Engineer
Public Works Department

Sir,

Encl: 1.

I have the honor to forward herewith a revised statement of temporary reestablishment required for the Periyár Project works for the current official year 1889-90 and to request the sanction of Government to the same.

2. The revision of the reestablishment is chiefly due to the extra officers and subordinates since posted and to the formation of

of additional sub-Divisions to

I have the honor to be
Sir

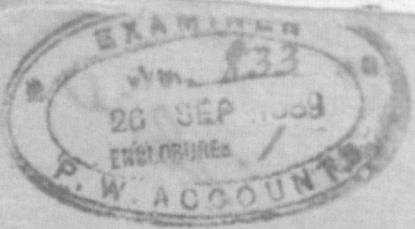
John B. Jones

Supg Engineer P. Project

the execution of Government to
open road - and to report
back to the current office.

2820

5



No. 4282 C d/24 Sept. 1889

To C

For favor of check as regards "Present scale" and return.

WMB
24.9.89

D.W.

No. 1405 d/1 October 1889

To W.

Entries in column "Present Scale" of the proposal statement have been checked and found correct.

GO. 2124 W d/8.8.89

WMB

for C.

24.9.89
D.W.
enc 1

Temporary Establishment required for the Perijar Project -
Towards a revised statement of - & requests sanction of Govt to the same for the reasons assigned.

WMB

To



Dated 17: }
Sept 192 } September 89
Received 23/10 }
(Recd) 2-10-89
Enc 1.

From,

The Chief Engineer
Perijar Project

To

The Chief Engineer
P.M.D.

9235
P.M.D. 5075
12.10.53 P.R.

6

2828
7

See
has
cor

Go

G. O. No 2124 U.

8th August 188

NOT Perian-

1 Civil apothecary - - - 30
1 Hospital Assistant
(Vide G. O. No 49011
of 15th February 89) - - - 35
2 Mens for Prison
Hospital at R. 9 - - - 18

Total - - - 83

NOT Prison Division
Lower Subordinate
Establishment

2 Subversaries at R. 60
each - - - 120
2 DO - R. 40 each - - - 80
Carried over - - - 200

NOT Prison Division
Lower Subordinate
Establishment

2 Subversaries at R. 60 - - - 120
2 DO at R. 40 each - - - 80
- - - 200

General
Establishment

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

N^o 2820 W

2820 820

PROCEEDINGS OF THE MADRAS GOVERNMENT.

October 10, 1889.

Read the following

From the Superintending
Engineer, Seriya Project, N^o 1653 IR d 17 Sept 1889.
From the Examiner of
P. W. Accounts — N^o 1405 d 1st October 1889.

Enclosures in N^o 1653
17-9

The revised
statement of temporary
establishment required
for the Seriya Project
during 1889-90 is sanctioned.

110
9 Oct

2. This sanction has
been registered as
Provincial N^o 39 W of
1889-90 and classified
as Establishment, Temporary.

Statement of pro-
-position for tempo-
-rary establishment
required for the Seriya
Project for the year
1889-90-

To
The Supy Engineer,
Seriya Project.
Examiner P. W. Accounts
Ch. S. for *man* — 29/10

man
7.10.89

Aues
8.10.89

12

Cur

may

~~Handwritten scribble~~

3 May
Σ 2

HW 8 x 89
210 x 89

Handwritten scribble

10

2820

13

Govt. of Madras.

PUBLIC WORKS.

11/11/11

10. 10 Oct 1920

Temporary Estab.

Revised statement of -
cost for the temporary
project during 1919/20,
sanctioned.

100
4

(13)

10/10

10/10